N.E.W. SEMINARY अध्ययन मार्गदर्शिका

# परमेश्वर का निरंतर पीछा करने वाला प्रेम और अन्यजातियों का उद्धार

पास्टर हून किम, 11 अक्टूबर 2026, योना 1:4-17

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से कोरियाई से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-10-11-new-jonah-1-the-hound-of-heaven-and-the/

---

## अध्ययन मार्गदर्शिका

## अध्ययन मार्गदर्शिका: परमेश्वर का निरंतर पीछा और पराए लोगों का उद्धार

### मूल सत्य

परमेश्वर अपनी निरंतर खोज और मानवीय अनाज्ञाकारिता के बीच के टकराव का संप्रभुता से उपयोग अन्यजाति पराए लोगों को जगाने के लिए करते हैं, जिससे वे स्वाभाविक प्रवृत्तियों और धार्मिक आत्म-निर्भरता से निकलकर सच्चे विस्मय, प्रार्थना और आराधना में आ जाते हैं।

### मुख्य पद

“तब उन्होंने यहोवा को पुकारकर कहा, “हे यहोवा हम विनती करते हैं, कि इस पुरुष के प्राण के बदले हमारा नाश न हो, और न हमें निर्दोष की हत्या का दोषी ठहरा; क्योंकि हे यहोवा, जो कुछ तेरी इच्छा थी वही तूने किया है।” (योना 1:14 · IRV)

### पृष्ठभूमि की बातें

1. **तूफ़ान की संप्रभुता (योना 1:4):** प्राचीन निकट पूर्व के समुद्री इतिहास में, तूफ़ानों के लिए अक्सर विद्रोही समुद्री देवताओं को दोषी ठहराया जाता था। यहाँ, इब्रानी पाठ में तूफ़ान का मानवीकरण इस रूप में किया गया है कि उसे किसी ईश्वरीय उद्देश्य को पूरा करने के लिए सीधे यहोवा द्वारा भेजा गया था। कोई भी समुद्री कौशल या जहाज का भार हल्का करना उस तूफ़ान पर विजय नहीं पा सकता था जिसे स्वयं सृष्टिकर्ता ने बुलाया था।
2. **चिट्ठी डालना (योना 1:7):** प्राचीन संसार में, भाग्य या ईश्वरीय अप्रसन्नता को जानने के लिए अन्यजाति संस्कृतियों में चिट्ठी डालने का व्यापक प्रचलन था। यद्यपि यह अंधविश्वास में निहित था, फिर भी संप्रभु परमेश्वर ने उनके इस यांत्रिक शगुन-विचार की दिशा को ऐसे मोड़ा कि चिट्ठी अचूक रूप से योना के ही नाम निकली।
3. **समुद्र को खोदना (*Chatar*, योना 1:13):** इब्रानी क्रिया *chatar* का शाब्दिक अर्थ है मिट्टी में "खोदना" या दीवार में सेंध लगाना। लेखक इस कठोर शब्द का उपयोग मल्लाहों द्वारा की गई पागलों जैसी, थका देने वाली नाव खेने की कोशिश को दर्शाने के लिए करता है, मानो वे बेलचे से लहरों को खोद रहे हों; यह परमेश्वर के ठहराए हुए उद्देश्य के विरुद्ध संघर्ष करने वाले मानवीय प्रयासों की व्यर्थता का जीवंत चित्रण करता है।

4. **बिना वेदी के अन्यजातियों की आराधना (योना 1:16):** किसी प्राचीन इस्राएली के लिए, एक व्यापारिक जहाज के डेक पर खतनारहित मूर्तिपूजक मल्लाहों द्वारा यहोवा के पवित्र वाचा वाले नाम को पुकारना, बलिदान चढ़ाना और बाध्यकारी मन्नतें मानना अत्यंत आश्चर्यजनक बात थी। यह सुसमाचार के उस महान भेद को दर्शाता है: परमेश्वर जातियों के बीच में से सच्चे आराधक उत्पन्न करते हैं।

## चर्चा के लिए प्रश्न

1. **वचन को समझना:** जब तूफ़ान आया, तो मल्लाहों ने सबसे पहले खुद को बचाने के लिए क्या किया, और उनके समुद्री अनुभव की सामान्य समझ क्यों विफल हो गई (योना 1:5)?
2. **प्रतिक्रियाओं की जाँच:** योना 1:13 को देखें। योना के निर्देशों का तुरंत पालन करने के बजाय चालक दल ने पागलों की तरह नाव क्यों खेई? किसी व्यक्ति का गलत दिशा में बना विवेक या नैतिक आत्म-धार्मिकता वास्तव में हमें परमेश्वर के वचन का पालन करने से कैसे रोक सकती है?
3. **परमेश्वर के स्वभाव को खोजना:** पद 14 में मल्लाहों की प्रार्थना की तुलना जहाज में योना की चुप्पी से करें। मल्लाहों का यह अंगीकार कि "तूने जैसा चाहा, वैसा ही किया है," हमें बाइबलीय प्रार्थना और समर्पण के बारे में क्या सिखाता है?
4. **मसीह से संबंध जोड़ना:** योना का समुद्र में फेंका जाना किस प्रकार यीशु मसीह को पहले से दर्शाता है, और यीशु का स्वेच्छा से दिया गया निष्पाप बलिदान, योना के अनिच्छा से जल में जाने से किस प्रकार श्रेष्ठ है?
5. **व्यक्तिगत लागूकरण:** वह कौन सा "योना" है जो वर्तमान में आपके हृदय के भीतरी भाग में छिपा हुआ है (जैसे हठपूर्ण आत्म-निर्भरता, कड़वाहट, भविष्य का डर, या नैतिक घमंड)? परमेश्वर इस सप्ताह आपसे समर्पण का कौन सा विशिष्ट कदम उठाने के लिए कह रहे हैं?

## फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

परमेश्वर ने अन्यजाति मल्लाहों को उद्धारकारी विश्वास में लाने के लिए योना के हठीले विद्रोह का उपयोग किया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि उनकी दया सबसे अप्रत्याशित पराए लोगों तक भी पहुँचती है। जब मानवीय समझ और नैतिक प्रयास विफल हो जाते हैं, तब सच्चा विश्राम केवल तभी आता है जब हम अपने घमंड को त्यागकर परमेश्वर की संप्रभु इच्छा पर भरोसा करते हैं। आज आपको अपने किस छिपे हुए घमंड को जहाज से बाहर फेंकने की आवश्यकता है? *मुख्य पद: "हे यहोवा, तूने जैसा चाहा, वैसा ही किया है।" (योना 1:14)*

---

# शिक्षा की रूपरेखा

## परमेश्वर का निरंतर पीछा और पराए लोगों का उद्धार

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:4–17
- **मुख्य विचार:** परमेश्वर अपनी निरंतर खोज और मानवीय अनाज्ञाकारिता के बीच के टकराव का संप्रभुता से उपयोग अन्यजाति पराए लोगों को जगाने के लिए करते हैं, जिससे वे स्वाभाविक प्रवृत्तियों और धार्मिक आत्म-निर्भरता से निकलकर सच्चे विस्मय, प्रार्थना और आराधना में आ जाते हैं।

## 1. अनुग्रह का अप्रत्याशित वरदान

- **शास्त्रवचन:** योना 1:4–5, 17; रोमियों 11:28–31
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** चिकित्सा के इतिहास में, अप्रत्याशित दुष्प्रभावों से अक्सर जीवन बदलने वाले उपचार सामने आए हैं (जैसे बोटुलिनम टॉक्सिन का बोटोक्स बन जाना, या मधुमेह की दवा का वजन घटाने वाले उपचार में बदल जाना)। उसी तरह, जब योना हठपूर्वक परमेश्वर के बुलावे का विरोध कर रहा था, तब मूर्तिपूजक मल्लाहों को उद्धार का अप्रत्याशित लाभ मिला। जैसा कि पौलुस रोमियों 9–11 में समझाता है, इस्राएल के अस्थायी रूप से ठोकर खाने ने पहले अन्यजातियों के लिए दया का द्वार खोल दिया।
- **सहायक दृश्य (Visuals):** दृश्य 1 (शीर्षक कार्ड), दृश्य 2 (अनाज्ञाकारिता और अनुग्रह)

## 2. सामान्य समझ से वास्तविक विश्वास की ओर बढ़ना

- **शास्त्रवचन:** योना 1:4–5; मरकुस 4:35–41
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** परमेश्वर द्वारा भेजे गए तूफ़ान को समुद्री अनुभव या जहाज का माल फेंकने से शांत नहीं किया जा सकता था। जब विश्वासी पूरी तरह से मानवीय तर्क और पिछले प्रशिक्षण पर निर्भर होते हैं, तो उनका जीवन व्यर्थ में ही भटकता रहता है। गलील के तूफ़ान में यीशु को जगाने वाले चेलों की तरह, हमें अपने समाधान प्रस्तुत करना बंद करना होगा और विश्वास के साथ परमेश्वर के चरणों में गिरना सीखना होगा।
- **सहायक दृश्य (Visuals):** दृश्य 3 (तूफ़ान में चार प्रतिक्रियाएँ)

## 3. अंधविश्वासी धर्म से आगे बढ़ना

- **शास्त्रवचन:** योना 1:7–10
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** चिट्ठी डालना भाग्य जानने या अलौकिक शक्तियों को अपने वश में करने की एक प्राचीन अन्यजाति विधि थी। जब चिट्ठी योना के नाम निकली, तो उसने यहोवा को समुद्र और सूखी भूमि का सृष्टिकर्ता मानकर अंगीकार किया। मल्लाहों का भय तुरंत प्राकृतिक तूफ़ान से हटकर तूफ़ान के पीछे मौजूद संप्रभु परमेश्वर पर केंद्रित हो गया। सच्चा विश्वास परमेश्वर को केवल लाभ देने वाली शक्ति मानने से आगे बढ़कर, उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानने की ओर बढ़ता है।
- **सहायक दृश्य (Visuals):** दृश्य 3 (तूफ़ान में चार प्रतिक्रियाएँ)

## 4. सच्चे समर्पण में प्रार्थना करने के लिए विवेक का टूटना

- **शास्त्रवचन:** योना 1:12–15; लूका 1:38
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** जब योना को समुद्र में फेंकने के लिए कहा गया, तो मल्लाहों के नैतिक विवेक ने इसका विरोध किया, और वे पागलों की तरह नाव खेने लगे। इब्रानी शब्द *chatar* का अर्थ है कि वे सचमुच उफनते समुद्र को ऐसे खोद रहे थे मानो बेलचे से मिट्टी खोद रहे हों। आत्म-धर्मी नैतिकता अक्सर तब तक परमेश्वर के वचन का विरोध करती है जब तक कि मानवीय शक्ति समाप्त नहीं हो जाती। अपने घमंड को त्यागकर, उन्होंने अंततः यहोवा से प्रार्थना की, उनकी संप्रभुता को स्वीकार किया ("तूने जैसा चाहा, वैसा ही किया है"), और योना को जल में फेंककर आज्ञा मानी।

- **सहायक दृश्य (Visuals):** दृश्य 4 (शब्द अध्ययन: *Chatar*), दृश्य 5 (मुख्य पद: योना 1:14)

## 5. सच्चे आराधकों का जन्म

- **शास्त्रवचन:** योना 1:16; रोमियों 11:30–31
- **मुख्य अंतर्दृष्टि:** जब उफनता समुद्र शांत हो गया, तो मल्लाह यहोवा के बड़े पवित्र भय (*gadol*) से भर गए, उन्होंने गंभीर मन्नतें मानीं और बलिदान चढ़ाए। बिना किसी मंदिर या याजकीय पृष्ठभूमि वाले पराए लोग सच्चे आराधक बन गए। योना को उसके अपराध के कारण समुद्र में फेंका गया था; परन्तु यीशु मसीह परमेश्वर के अनंत क्रोध को शांत करने के लिए निष्पाप आज्ञाकारिता में स्वेच्छा से क्रूस पर गए। यीशु के कारण, हम जैसे पराए लोगों को जीवित परमेश्वर की आराधना करने के लिए निकट लाया गया है।
- **सहायक दृश्य (Visuals):** दृश्य 6 (पवित्र भय की वृद्धि: *Gadol*)

## अंतिम प्रतिवचन

प्रत्येक विश्वासी को यह पूछना चाहिए: आज मेरे हृदय के भीतरी भाग में छिपा हुआ वह हठीला, आत्म-निर्भर "योना" क्या है? अपनी मानवीय समझ, धार्मिक सौदेबाज़ी और अपनी आत्म-धर्मी नैतिकता को समुद्र में फेंक दें। संप्रभु राजा के सामने झुकें, अपनी इच्छा को समर्पित करें, और परमेश्वर के पवित्र भय में एक सच्चे आराधक के रूप में जीवन जिएँ।

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.